

सनौली में मलिया उत्तर-हड़प्पाकालीन सबसे बड़ा कब्रस्तान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के बागपत ज़िले में पुरातात्विक उत्खनन के दौरान 4,000 साल पुराने चावल, दाल, पवत्रि कोठरियाँ और ताबूत पाए गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने उत्तर प्रदेश के बागपत ज़िले में स्थिति सनौली में 4,000 साल पुराने शवाधान स्थल का उत्खनन किया है।
- इस शवाधान स्थल में मृत शरीर के साथ पैर वाले ताबूत, चावल एवं दाल से भरे बर्तन और जानवरों की हड्डियाँ भी पाई गई हैं।
- यहाँ तीन रथ, कुछ ताबूत, ढाल, तलवार और साथ ही हेलमेट भी मलिया है जो 2,000 ईसा पूर्व के आसपास इस क्षेत्र में योद्धा वर्ग के अस्तित्व की ओर इशारा करते हैं।
- यह शवाधान स्थल परपिक्व हड़प्पा संस्कृति के अंतिम चरण के समकालीन है। उस कालखंड के दौरान ऊपरी गंगा-यमुना दोआब की संस्कृति के पैटर्न को समझने के लिये इस उत्खनन से ज्ञात नषिकर्ष महत्त्वपूर्ण है।
- उपरोक्त वस्तुओं के अलावा उत्खननकर्त्ताओं को शवों के साथ बर्तन, मवेशियों की हड्डियाँ, चावल और उड़द की दाल भी पाई गई है।
- मौजूद कब्रों में से एक कब्र में अर्द्ध-शला, मट्टी के बर्तन और सरि के पास एक तलवार भी रखी गई थी।

सनौली

- सनौली, उत्तर प्रदेश के बागपत ज़िले में यमुना नदी के बाएँ किनारे पर स्थिति है।
- यह दलिली से 68 किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में स्थिति है।
- ज्ञातव्य है कि बागपत ज़िले में पुरातात्विक स्थल का उत्खनन पहली बार 2018 में शुरू हुआ था और इस साल जनवरी में फरि से उत्खननशुरू किया गया है।
- यहाँ उत्तर-हड़प्पाकालीन सबसे बड़ा कब्रस्तान पाया गया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI)

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण राष्ट्र की सांस्कृतिक वरिसतों के पुरातत्वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिये एक प्रमुख संगठन है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्त्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है।
- इसके अतिरिक्त प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार, यह देश में सभी पुरातत्वीय गतिविधियों को वनियमिति करता है।
- यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृत अधिनियम, 1972 को भी वनियमिति करता है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण **संस्कृति मंत्रालय के अधीन** कार्य करता है।

स्रोत: द हिंदू